R. Schl. II. 34. 24.: नन्दयिष्यन्ति मां साम्ना. (Lat. *ludo*, quod supra cum द्यूत comparavimus, etiam huc referri posset, mutatis liquidis *n* et *l*, attenuato *a* in *u*; v. नन्दि ludus.)

c. अभि 1) *i. q. simpl.* BH. 2. 57.: ना ऽभिनन्दति न द्वेष्टि. *C. acc. rei.* MAN. 6. 45.: ना ऽभिनन्देत मरणान् ना ऽभिनन्देत जीवितम्; A. 1. 9.: तान् अप्य् असौ मातलिर् अभ्यनन्दत्. 2) rationem habere, curare. IN. 5. 49.: यस्मान् मान् ना ऽभिनन्देथाः कामबाणवशङ्गताम्; SU. 3. 12.: तद्वाक्यम् अभिनन्द्य; N. 8. 16. 17. 3) salutare, gratulari. R. Schl. II. 59. 13.: प्रविशन्तन् न कश्चिद् अभिनन्दति; RAGH. 7. 66.: वाग्भिः सखीनाम् प्रियम् अभ्यनन्दत्; N. 25. 10.: दिष्ट्या समेतो दारैः स्वैर् भवान् इत्य् अभ्यनन्दत. 4) agnoscere. MAN. 8. 54.: सम्यक् प्रणिहितश्चा ऽर्थम् पृष्टः सन् ना ऽभिनन्दति. — *Caus.* exhilarare. N. 5. 34.: दमयन्तीन् तथा वाग्भिर् अभिनन्द्य.

c. अभि praef. प्रति *Caus.* salutare. SAK. 108. 1.: ततः प्रत्यभिनन्द्य श्रुञ्जान्तम् एनाम् प्रवेशयिष्यामि.

c. प्रति *P. A.* 1) gaudere, *c. acc. rei.* MAH. 4. 1134.: प्रतिनन्दाम ते वाक्यम्. 2) rationem habere, curare. N. 8. 7.: न्यवेदयद् भीमसुता न स तत् प्रत्यनन्दत; 8.: वाक्यम् अप्रतिनन्दन्तम् भर्तारम्. 3) salutare. RAGH. 1. 57.: तौ गुरुर् गुरुपत्नीच प्रीत्या प्रतिननन्दतुः; N. 24. 44.: स्वसुतौचा ऽपि यथावत् प्रत्यनन्दत. *Caus.* exhilarare. MAH. 3. 16444.: हत्वा शत्रून् प्रतिनन्दय माम्.

c. वि *A.* gaudere. MAH. 3. 2607.: सा तत्र पूज्यमाना व्यनन्दत.

नन्दन (r. नन्द् s. अन) 1) *m.* exhilarator. H. 1. 42. — *In fine compositorum saepissime ad significandum filium, progeniem usurpatur,* ut H. 1. 4. 2) *n.* nomen horti vel nemoris voluptuarii dei *Indri.* IN. 2. 3. (Hib. *naoidhin* «an infant».)

नन्दि *m. n.* (r. नन्द् s. इ) 1) gaudium. 2) ludus, lusus. (V. नन्द् et cf. lat. *ludus.*)

नन्दिनी *f.* (a नन्दिन् exhilarans - r. नन्द् s. इन् - signo *fem.* ई) filia, *in fine compp.* N. 12. 9. 60.

नप्तृ *m.* nepos. IN. 5. 43. (Lat. *NEPOT*, germ. vet. *nefo*, anglo-sax. *nefa*, v. sq.)

नप्त्री *f.* (a praec. signo *fem.* ई) neptis. (Lat. *neptis* e *neptris*, germ. vet. *neft.*)

नभ् 1. *A.* 4. *P.* 9. *P.* नभे, नभ्यामि, नभ्नामि (हिंसायाम् *K.* हिंसे *V.*) ferire, laedere, occidere.

नभश्चर *m.* (e नभस् et चर् iens) deus. RAGH. 18. 5.

नभस् *n.* (ut videtur, e न et भस् pro भास्, ita ut proprie significet n o n s p l e n d e n s, sicut nubes dicitur नभ्राज्, cf. A. Benary p. 229.) *n.* aër, coelum. IN. 1. 3. H. 3. 6. SU. 6. 19. BH. 11. 24. (Slav. *nebo* id., them. *nebes*, gen. *nebes-e*, v. gr. comp. 264.; gr. *νέφος*, *νέφε(σ)-ος*, v. gr. comp. 128.; lat. *nubes, nebula*; germ. vet. *nibul* nebula; lith. *débesis* nubes, mutatâ nasali in mediam ejusdem organi sicut in *dewyni* novem, gr. comp. 317.; hib. *neamh* «heaven»; cambro-brit. *nev.*)

नभस्वत् *m.* (*nom.* -वान्, a नभस् s. वत्) ventus. RAGH. 4. 8.

नभ्राज् *m.* (*nom.* -भ्राट्, e न et भ्राज् splendens) nubes. HEM.

नम् 1. *P. A.* inclinare, curvare, flectere, *praesertim reverentiae causâ* se inclinare, *c. acc. dat. gen. pers.* NALOD. 4. 44.: ननाम नलस्य प्रणतो ऽङ्घ्री; MAH. 3. 1200.: नमस्वै ऽनम्; 3. 977.: समुद्रनेमिर् नमते तस्मै; 3. 1036.: सर्वभूतानिचा ऽप्य् अस्य न नमन्ते. *Part. pass.* नत inclinatus. DR. 5. 1.: नतोन्नतभ्रुवा. *Caus.* नामयामि et नमयामि inclinare, inclinare facere. IN. 5. 9.: स्तनोद्वहनसङ्क्षोभान् नाम्यमाना पदे पदे; N. 26. 10.: नाम्यतान् धनुः; HIT. 70. 16.: श्वपुच्छम् इव नामितम्; RAGH. 9. 18.: नमयति स्म स केवलम् उन्नतम् वनमुचे नमुचेर् अरये शिरः; 8. 9. (Cf. यम्, unde Pottius deducit नम्, ita ut compositum sit e praep. नि + यम्, ergo नम् e नियम्, ejecto इय्, sicut lat. *nolo* pro *nevolo*, ejecto *ev.*)

c. अभि *i. q. simpl.* IN. 2. 19.: शिरसा ऽभ्यनमद् बली.

c. अव *id.* MAH. 1. 5336.: केचिद् भयाच् छिरांस्य् अव-